कम दबाव का क्षेत्र कमजोर पड़ने के बाद थमी बारिश

भीतरी शहर के जर्जर भवनों की दीवारें हादसे का सबब बन रही हैं

जोधपुर, (कासं)। बंगाल की खाडी में बना कम दबाव के क्षेत्र का असर अब धीमा पड गया है। जोधपुर में आज सुबह से ही बारिश का दौर थमा हुआ है। हालांकि कुछ फुहारें जरूर गिरी थी। बादलों की आवाजाही बनी हुई है। बारिश के असर से भीतरी शहर में जर्जर भवन और इमारतों को गिरना भी जारी है। प्रशासन की तरफ से कोताही बरती जा रही है। हादसे में किसी की भी जान जा सकती है।

शहर में दो दिन में रुक-रुक कर हो रही बरसात में भीतरी शहर के जर्जर भवनों की दीवारें हादसे का सबब बन रही हैं। मंगलवार की रात बारिश के बाद नवचौकिया में स्थित कोटवाली स्कूल के पास पुलिस कमिश्नरेट की दीवार गिर गई। दीवार के पास पार्क किए कई दुपहिया वाहन दबने से क्षतिग्रस्त हो गए। रात में हादसा होने से कोई जनहानि नहीं हुई। क्षेत्र वासियों की सूचना पर निगम कर्मचारी आए और मलबा हटाया।

■ **पुलिस कमिश्नरेट की दीवार गिर गई**

क्षेत्रवासियों में जर्जर भवन से दहशत हो गई दीवार के बडे पत्थर मार्ग पर गिरने से संकरी गली पूरी तरह अवरुद्ध हो गई। पुलिस कमिश्नरेट की करीब 15-20 फीट की दीवार ढहने के बाद जर्जर दीवार को हटाने व मरम्मत के लिए निगम ने पुलिस कमिश्नरेट में सूचित कर दिया है।भीतरी शहर के नगर निगम उत्तर वार्ड नम्बर 20 में नवचौकिया स्थित कोटवाली स्कूल के पास पुलिस मैस की दीवार ढहने से क्षेत्र में दहशत फैल गई। जर्जर भवन की कई बार निगम में शिकायत के बावजूद इस ढहाया नहीं गया। महापौर उत्तर कुंती देवडा के अनुसार मौके पर सीएसआई व वार्ड प्रभारी अपूर्व पुरोहित पहुंचे व मलबा हटवाया। महापौर ने बताया कि बारिश के कारण जर्जर मकान वालों को नोटिस दे दिए हैं। अब वार्निंग भी जारी कर दी गई है।

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने कहा सरकार लापता

एक दिन बाद सीएम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जन प्रतिनिधियों के साथ हवाई सर्वे किया

कोटा, (निसं)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया के द्वारा बुधवार को हाड़ौती क्षेत्र में बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का सर्वेक्षण करने के बाद गहलोत सरकार को इस महत्वपूर्ण समय में लापता करार देते हुए निशाने पर लिया । इसके पश्चात दूसरे दिन गुरुवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जिले में अतिवर्षा से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जन प्रतिनिधियों के साथ हवाई सर्वे किया तथा राजकीय माध्यमिक विद्यालय मोन्टेसरी नयापुरा में बनाए गए आश्रय स्थल पहुंचकर प्रभावितों से रूबरू हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक सूझ-बूझ से जल भराव से प्रभावित क्षेत्रों में कोई जनहानि नहीं हुई। उन्होंने बाढ़ प्रभावित परिवारों से रूबरू होकर व्यवस्थाओं के बारे में फीडबैक लिया। उन्होंने प्रभावित परिवारों को सहायता उपलब्ध कराने का विश्वास दिलाया ।

सीएम गहलोत ने बाढ़ ग्रस्त इलाकों का जायजा लिया।

कोटा में हवाई सर्वेक्षण और बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात करने के पश्चात मुख्यमंत्री मीडिया से रूबरू हुए। इस दौरान उनके निशाने पर ईआरसीपी योजना को लेकर केंद्र सरकार रही। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि केंद्र सरकार जानबूझकर राजस्थान में इस योजना पर कार्य नहीं कर रही। इस योजना का कार्य राजस्थान में रुकवाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन एनडीआरएफ व एसडीआरएफ द्वारा 4 हजार से अधिक लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा गया है। उन्होंने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आवासीय एवं कृषि में हुए नुकसान का सर्वे कराने के निर्देश दे दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री गहलोत ने कोटा एयरपोर्ट पर उतरकर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बचाव एवं राहत कार्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सा मंत्री व जिला प्रभारी परसादी लाल मीणा, स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल, विधायक पीपल्दा रामनारायण मीणा, सांगोद भरत सिंह के साथ हेलीकॉप्टर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वे कर अवलोकन किया।

जालोर के दलित छात्र की मौत के मामले में हो रही गहरी साजिश : सर्व समाज

सिणधरी, (निसं)। सर्व समाज ने कहा कि आपसी सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है. जातीय संगठनों की भीड और अन्य दबाव में स्कूल की मान्यता को रद्द करना भी नियम विरोध है । ये बच्चों के भविष्य से भी जुडा मुद्दा है। ऐसे में मान्यता रद्द नहीं की जाए। राजस्थान के बाड़मेर जिले में सिणधरी उपखंड मुख्यालय सिणधरी सहित आसपास के बड़ी संख्या में सर्व समाज के लोग हनुमान अखाड़े में पहुँचे वहाँ समाज के मौजूद लोगों ने अपने अपने विचार रखे।

सिणधरी में सर्व समाज ने जालोर दलित छात्र की मौत के मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

सुराणा प्रकरण में निष्पक्ष और सीबीआई जांच की मांग को लेकर 36 कौम के संगठनों ने शान्ति पूर्ण तरीके से हनुमान अखाड़े से रवाना हो कर पैदल रैली निकाल कर उपखण्ड मुख्यालय पहुंच कर उपखण्ड अधिकारी विरमाराम चौधरी को ज्ञापन सौंपा। और साथ ही पुलिस कांस्टेबल थानसिंह का भी निलंबन वापस लेने की मांग की। हजारों की संख्या में सर्व समाज के लोग मौके पर मौजूद रहे । प्रदर्शन कर रहे कई संगठनों के लोगों ने कहा कि सुराणा के एक निजी विद्यालय के घटनाक्रम को लेकर पिछले दिनों जालोर जिले को जातिवाद और छुआछूत के नाम पर प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर बदनाम किया जा रहा है।

सुराणा के इस निजी विद्यालय में एक संचालक छैलसिंह और वहां स्कूल में 5 से 6 शिक्षक एससी वर्ग से है। छुआछूत या जातिवाद कैसे संभव है। इसी तरह मटकी से जुडा विवाद चल रहा है, लेकिन स्कूल में मटकी होने की बात की जांच में भी पुष्टि नहीं हुई है।

सर्व समाज ने कहा कि आपसी सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है:- वही, मामले में बिना वजह मटकी को बेस बनाकर समाज के खिलाफ साजिश की जा रही है, जबकि असल में ऐसा कुछ नहीं हुआ है, क्योंकि सब लोग एक ही टंकी से पानी पीते हैं और सौहार्दपूर्ण माहौल रहते हैं।

इसके बाद निष्पक्ष और सीबीआई जांच की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।इस मौके पर सिणधरी रावल विक्रमसिंह,भाजपा विधानसभा प्रभारी मंगलसिंह सिराणा,भाजपा मंडल अध्यक्ष निंबाराम प्रजापत,अमर सिंह राजपुरोहित मितेश यति, डूंगर सिंह चौहान,हिंदू सिंह,जालमसिंह ,पीरसिंह, बाबूसिंह,वंसाराम मेगवाल, सुखदेव सैन डूंगराराम देवासी,खेताराम नैण, भैराराम तरड सहित बड़ी संख्या हजारों की संख्या में सर्व समाज के लोग मौजूद रहे।

गहलोत आज करौली जिले के दौरे पर

करौली, (नि.स.)। कोटा बैराज के गेट खोल कर की जा रही पानी की निकासी के चलते करौली जिले के मंडरायल और करनपुर क्षेत्र में होकर गुजर रही चंबल नदी उफान पर हैं । चंबल नदी किनारे बसे गांव टापू बन चुके हैं। वही उन में रह रहे लोगों को रेस्क्यू कर बाहर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

क्षेत्र में बिगड़ती स्थिति को लेकर पंचायत राज मंत्री रमेश मीणा लगातार दो दिन से मंडरायल और करनपुर क्षेत्र के दौरे पर हैं वहीं जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह मण्डरायल क्षेत्र का दौरा कर चुके हैं । सूत्रों के अनुसार आज शुक्रवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हैलीकॉप्टर से मण्डरायल पहुंचेंगे जिसकी तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है।

गुरुवार को जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक सहित प्रशासन के अधिकारी मण्डरायल पहुंचे। जहां उन्होंने हैलीपैड स्थल का जायजा लेते हुए तैयारियों को अंतिम रूप दिया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दोहपर एक बजे जयपुर से रवाना होकर सायं 4 बजे मण्डरायल की चंबल नदी के डूब क्षेत्र में आ रहे गांव की स्थिति से रूबरू होंगे, वही सायं 5 बजे मण्डरायल से जयपुर के लिये प्रस्थान रकेंगे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र की स्थिति पर नजर रखने के निर्देश

करौली कलेक्ट्रेट में मंत्री रमेश मीणा ने बाढ़ की स्थिति को लेकर बैठक ली।

करौली, (नि.स.)। ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री रमेश चंद मीना ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अयोजित बैठक में कहा कि कोटा बैराज से पानी छाड़े जाने व चम्बल नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से मंडरायल और करणपुर क्षेत्र के गांवों में बाढ़ के हालात बने हुए हैं।

ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री ने बैठक में अधिकारियों को मौके पर पहुंच कर वास्तविक स्थिति पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं साथ ही प्रभावित क्षेत्र में रेस्क्यू कर लोगो को सुरक्षित स्थानों पर पहुचायें और लोगों के राशन सहित अन्य आवश्यकताओं पर हर प्रकार से मदद करने के लिए आदेश दिए हैं। उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में किसी भी प्रकार की जनहानि व पशुहानि नही हो और लोगों के पास हर प्रकार की मदद पहुंचे इसके लिये सक्रिय रहकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि अगर राज्य सरकार से हेलीकॉप्टर, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस टीम सहित किसी भी प्रकार की मदद की जरूरत है तो सरकार से मांग करें।

उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जैसे जैसे पानी का स्तर घटेगा लोगो की सरकार से अपेक्षाऐं बढ जायेंगी इसलिये खाने पीने के साथ दवाईयों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। बैठक में जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस, अतिरिक्त जिला कलेक्टर परसराम मीना सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नाबालिग से रेप मामले में दोषी को सात साल की सजा

■ **आरोपी पर 50 हजार 500 रुपये का जुर्माना भी लगाया**

हनुमानगढ़, (कासं)। नाबालिग से रेप के दोषी को पोक्सो कोर्ट के विशिष्ट जज मदन गोपाल आर्य ने 7 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही 50 हजार 500 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं भरने पर अतिरिक्त कारावास भुगतने के आदेश दिए।

वह नाबालिग लड़की को जबरन खींचकर ले गया था और जान से मारने की धमकी देकर रेप किया था। विशिष्ट लोक अभियोजक विनोद डूडी ने बताया कि 15 नवम्बर 2018 को पीड़िता के पिता ने प्रार्थना-पत्र पेशकर गोलूवाला पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया था।

पीड़िता ने अपने बयानों में बताया कि 14 नवम्बर 2018 की रात को उनके पड़ौस में शादी समारोह था। जहां वह अपनी ताई के साथ गीत गाने गई थी। रात करीब 10 बजे वह अपनी ताई के साथ वापस घर आ रही थी। उसकी ताई अपने घर चली गई। इसके बाद रास्ते में उसे अकेली देखकर वहां पहले से छुपकर बैठा विष्णुराम पुत्र हंसराज निवासी चक 3 एचपीडी गोलूवाला उसके मुंह पर हाथ लगाकर अपने घर में बने टॉयलेट में ले गया। चिल्लाने पर जान से मारने की धमकी देकर रेप किया। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी विष्णुराम को गिरफ्तार कर कोर्ट में चालान पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 15 गवाह और 24 दस्तावेज पेश किए। सुनवाई के बाद कोर्ट ने आरोपी विष्णुराम को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई।

उसे आईपीसी की धारा 506 में 2 साल साधारण कारावास, पांच सौ रुपए जुर्माना, अदम अदायगी एक माह का अतिरिक्त कारावास, आईपीसी की धारा 376 व 3/4 पोक्सो एक्ट में 7 साल कठोर कारावास, 50 हजार रुपए जुर्माना, अदम अदायगी छह माह के अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई। कुल जुर्माना 50 हजार 5 सौ रुपए लगाया है। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। पीड़ित पक्ष की तरफ से अधिवक्ता दीपक सोनी ने पैरवी की।

दो बाइक भिड़ीं, एक की मौत

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के गांव कोनी से दौलतपुरा रोड पर मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि दो लोग घायल हो गए। घायलों को श्रीगंगानगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहीं मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। मौके पर पहुंची मटीलीराठान थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने घायलों के बयान लेने के बाद कार्रवाई शुरू की है।

गांव कोनी का काला सिंह (50) पुत्र गुरा सिंह बुधवार को पत्नी बलजिंद्र कौर के साथ गांव पांच एन इलाके में किसी के यहां शोक जताने के लिए बाइक पर घर से निकला था। वह कोनी इलाके में एक ढ ाणी में खेत में काम करता है। गांव कोनी से दौलतपुरा रोड पर उसकी सामने से आ रही मोटरसाइकिल से टक्कर हो गई। दोनों मोटरसाइकिलों की तेज स्पीड में होने के कारण कालासिंह की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसकी पत्नी बलजिंद्र कौर गंभीर रूप से घायल हो गई। जिस मोटरसाइकिल से उनकी टक्कर हुई उसे श्रीबिजयनगर का दिनेश पुत्र गोपाल चला रहा था।

भींडर पंचायत का जवतरा गांव आज भी नहीं जुड़ पाया पंचायत से

अभी भी कच्चे रास्ते से जाना पड़ता हैं पंचायत मुख्यालय

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर उपखण्ड क्षेत्र के सांरगपुरा भीण्डर ग्राम पंचायत का जवतरा गांव आज भी पंचायत मुख्यालय और मुख्य मार्ग से नहीं जुड़ पाया है। गांव के दोनों तरफ के रास्तों पर कीचड फैला हुआ है और ग्रामीण इस रोड को बनाने की वर्षों से मांग करते आ रहे हैं लेकिन कोई भी जनप्रतिनिधि इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा है। ग्रामीणों की मांग हैं कि छोटे-छोटे गांव पक्की सड़क से जुड चुके हैं लेकिन आजादी के 75 वर्ष गुजर जाने के बाद भी हमारा गांव अभी तक सड़क से नहीं जुड पाया है।

जवतरा गांव का पंचायत मुख्यालय सारंगपुरा भीण्डर लगभग डेढ किमी दूर स्थित है। दूसरी और भीण्डर-उदयपुर मुख्य मार्ग पर जाने के लिए भी एक-डेढ किमी का कच्चा रास्ता है। गांव के छात्र-छात्राओं को 9 से 12 वीं तक की पढ़ाई के लिए भी कीचड में से होकर जाना पड़ता है। कभी कोई बीमार हो जाता हैं तो बडी मुश्किल से भीण्डर हॉस्पिटल तक ले जाया जा सकता है।

भेरूलाल मीणा, वार्डपंच जवतरा का कहना है कि हमारे गांव को सड़क से जोडने के लिए कई वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन आज दिन तक किसी भी सरकार ने हमारी नहीं सुनी।

तिलक कुंवर, सरपंच ग्राम पंचायत सांरगपुरा भीण्डर का कहना है कि पंचायत के माध्यम से सांसद व विधायक को कई बार अवगत करवाने के बाद भी इस गांव के लिए कोई सड़क स्वीकृत नहीं हो सकी है।

प्रीति शक्तावत, विधायक वल्लभ नगर का कहना है कि इस सड़क के लिए विभाग को अवगत करवा दिया है। जल्द स्वीकृत करवाने के लिए मैं प्रयास करूंगी।

सी.पी.जोशी, सांसद चित्तौडगढ़ का कहना है कि ग्रामीण सड़क राज्य सरकार के माध्यम से स्वीकृत हो सकती है। इसके लिए मैं भी सरकार को पत्र लिखकर सड़क स्वीकृत करवाने के लिए पूरे प्रयास करूंगा।

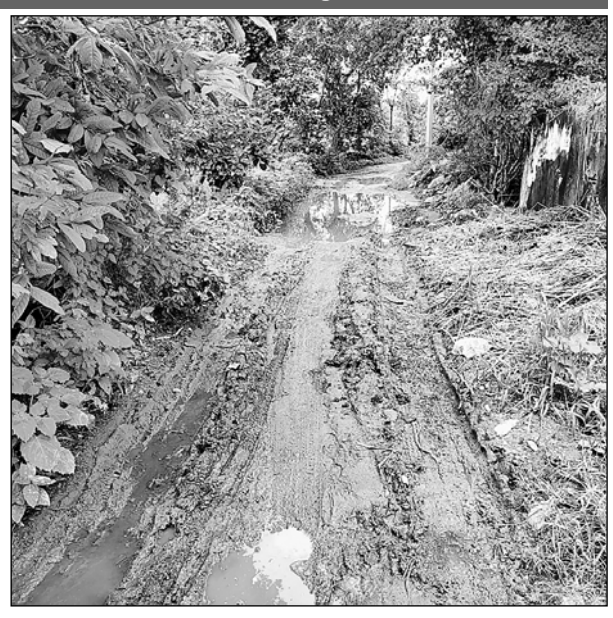

जवतरा गांव से पंचायत मुख्यालय जाने वाले मार्ग में फैला कीचड़।

तबादले के बाद भी नहीं किया रिलीव

सूरतगढ़, (निसं.)। पंचायत समिति के चार कार्मिकों (दो ग्राम विकास अधिकारी और दो कनिष्ठ सहायक) का स्थानातंरण किया गया, लेकिन हैरानी वाली बात है कि दो सप्ताह बाद भी जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के आदेशों की पालना नहीं हो सकी है। जानकारी अनुसार आठ अगस्त को जिला प्रशासन एवं स्थापना समिति की बैठक के बाद सीईओ मुहम्मद जुनैद ने जिलेभर के 17 ग्राम विकास अधिकारियों और 14 कनिष्ठ सहायकों के स्थानातंरण आदेश जारी किए। सूची के अनुसार सूरतगढ़ पंचायत समिति अन्तर्गत ग्राम पंचायत सिंगरासर को वीडीओ करणी सिंह को पंचायत समिति घड़साना और वीडीओ पवन कुमार शर्मा को पंचायत समिति रायसिंहनगर लगाया गया। इसके अलावा कनिष्ठ सहायक नीरज कुमार को जिला परिषद मुख्यालय श्रीगंगानगर और कनिष्ठ सहायक धोलूराम गोदारा को पंचायत समिति श्रीकरणपुर में तत्काल पदस्थापन के आदेश दिए किए गए, लेकिन हैरानी वाली बात है कि दो सप्ताह बीतने के बाद भी इन कार्मिकों को रिलीव नहीं किया। सीईओ के आदेश हवा होने के कारण मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

चार बालिकाओं के सिर से उठा मां-बाप का साया

■ **मात्र तीन माह के अंतराल में ही नाबालिग पुत्रियों के मां-बाप की मौत हो गई**

हिण्डौन सिटी, (का.सं.)। करौली जिले के हिण्डौन उपखण्ड के पंडा का पुरा, क्यारदा निवासी बछराज की बीमारी के कारण गत 14 अगस्त को मौत हो गई और 3 माह पहले उनकी पत्नी गीता देवी की हृदय गति रुकने के कारण मौत होने के कारण बालिकाएं अनाथ हो गईं। अब इनका लालन पालन भगवान भरोसे है ।

पंडा का पुरा क्यारदा में बच्चे अनाथ हो गए।

समाज सेवी मदन मोहन ने बताया कि मृतक बछराज के 5 पुत्रियां थी । जिनमें से 1 की मौत हो गई। चार पुत्रियों में सबसे बड़ी 7 वर्षीय संजना, 5 वर्षीय मोनिका, 4 वर्षीय राधिका एवं सबसे छोटी 2 वर्षीय गुड्डी है। समय का फेर ऐसा हुआ कि मात्र 3 माह के अंतर काल में माता- पिता की मृत्यु होने से चारों नाबालिक पुत्रियों के सिर से मां बाप का साया उठ गया और ये बालिकाएं बेसहारा हो गई। छोटी- छोटी बालिकाओं का रो-रोकर बुरा हाल है । सोचते है तो रूह काँप जाती है। इतनी कम उम्र में इन बालिकाओं का कौन लालन पालन करेगा । कौन इन्हें माँ बाप का प्यार दुलार देगा। कौन इनकी दैनिक जरूरतों को पूरा करेगा। उन्होंने सरकार, भामाशाहों, दानदाताओं, समाजसेवी, नौकरी पेशा लोगों, उद्योगपतियों, स्वयं सेवी संस्थाओं आदि से इन अनाथ बालिकाओं के लालन पालन, देखरेख, शिक्षा, दैनिक जरूरतों को पूरा करने आदि के लिए आर्थिक सहयोग की अपील की है। समाजसेवी मदन मोहन ने जिन लोगों ने सहयोग किया सभी का आभार व्यक्त किया।

कचहरी के बाहर खड़ी कार में अचानक लगी आग

बयाना, (निसं.)। बयाना में आज दोपहर बाद कचहरी के बाहर खड़ी कार में अचानक आग लग जाने से लोगों में भगदड़ मच गई । आग पर राहगीरों व कचहरी आए लोगों के सामूहिक सहयोग से काबू पाया जा सका । सूचना पर फायर ब्रिगेड भी पहुंची।

फायर ब्रिगेड ने भी कार में लगी आग पर पानी छोड़ कर शेष आग को बुझाया। यह कार निकट के गांव अजनोली निवासी निसार खान पुत्र नन्नू खान की बताई, जो इस दिन अपने किसी काम से कचहरी आया हुआ था और कचहरी के बाहर यह कार खड़ी थी। जिसमें अचानक ही आग लग गई थी । आग के कारणों का अभी तक कोई पता नहीं लग सका है । वही इस अग्नि कांड को लेकर कार मालिक असमंजस में पड़ गया है । समझ में भी नहीं आ रहा है कि आखिर खड़ी हुई कार में अचानक आग कैसे लग गई। इधर बताया है कि अगर राहगीरों व कचहरी के आसपास के लोगों ने तत्परता नहीं दिखाई होती तो वहां बड़ा हादसा भी हो सकता था।

इंडोनेशिया के जकार्ता में वर्ल्ड स्टेम्प चैम्पियनशिप में वीरेन्द्र ने जीता गोल्ड मैडल

'ब्रिटिश इंडिया क्वीन विक्टोरिया पोस्टल स्टेशनरी'' शीर्षक के कलेक्शन को आठ फ्रेम में लगाया था

उदयपुर, (कासं)। वर्ल्ड स्टेम्प चैंपियनशिप में उदयपुर निवासी वीरेन्द्र शर्मा ने गोल्ड मैडल जीतकर राजस्थान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरवांवित किया है। फ़ेडेरेशन ऑफ़ इंटरनेशनल फिलाटेली के सरंक्षण में इंडोनेशिया के जकार्ता में 4 से 9 अगस्त तक आयोजित की गई इन्टरनेशनल एक्सपो में राजस्थान के वीरेन्द्र शर्मा ने गोल्ड मेडल जीत विश्व में राजस्थान के नाम का झण्डा फहराया। उनका यह गोल्ड मेडल भारतीय कमिश्नर (पूर्व प्रशासनिक अधिकारी) सहदेव साहू ने प्राप्त किया।

जोधपुर मूल के उदयपुर के अद्वैया सोलूशन्स में डायरेक्टर पद पर कार्यरत वीरेन्द्र शर्मा ने 'ब्रिटिश इंडिया क्वीन विक्टोरिया पोस्टल स्टेशनरी'' शीर्षक के कलेक्शन को आठ फ्रेम में लगाया था, इस प्रदर्शनी में भारत के 35 लोगों ने भाग लिया था जिसमें से वीरेन्द्र शर्मा ने गोल्ड जीता। इस प्रदर्शनी में सीनियर ग्रुप में 12 मुख्य वर्ग थे।

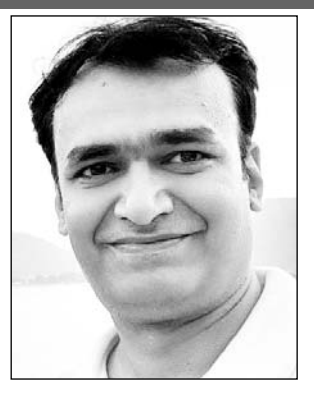

वीरेन्द्र शर्मा।

■ **प्रदर्शनी में भारत के 35 लोगों ने भाग लिया था**

अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी वीरेन्द्र ने ब्रिटिश इंडिया द्वारा जारी प्रथम पोस्टकार्ड, लिफाफा, रजिस्टर्ड पत्र के अनेक प्रकार एक गहन अध्ययन के साथ दिखाया। उस समय भारत में प्रचलित डाक सामग्री थॉमस दी ला रुए, लंदन द्वारा प्रिंट होती थी। यहीं भारतीय डाक सामग्री तथा स्टाम्प - बर्मा, पर्शियन गल्फ, अदन, ब्रिटिश सोमालीलैंड एवं ज़ैंज़िबार में भी भेजी जाती थी। भारत में प्रथम डाक लिफाफा ब्रिटिश सरकार ने सन 1856 में जारी किया था। शर्मा के संग्रह में इस वर्ल्ड एक्सीबिशन में आर्काइवल, डाई प्रूफ, एस्से सामग्री लगायी गई जो ब्रिटिश ऑफिसर्स के अप्रूवल के लिए होती थी।

इससे पूर्व वीरेन्द्र शर्मा ने चीन और थाईलैंड में भी वर्ल्ड एक्सिबिशन में भाग लिया था और देश के लिए कई मैडल प्राप्त किये। यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने 2010 में भारतीय डाक विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय फिलाटेलिक एक्सीबिशन में सर्वोच्च गवर्नर ट्रॉफी भी प्राप्त की। मूलत: जोधपुर हाल उदयपुर निवासी वीरेन्द्र फिलाटेलिक एक्सीबिशन के नेशनल अक्क्रेडिटेड जूरी में भी शामिल है।